दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 12.09.2021

प्रकाशनार्थ

आज दिनांक 12 सितम्बर 2021 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय में चल रहे सप्त दिवसीय दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान माला के तीसरे दिन महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ऑनलाइन व्याख्यान में मुख्य वक्ता श्री मनीष कुच्या जी मैनेजर रिसर्च एंड डेवलपमेंट अल्ट्राटेक सीमेंट आदित्य बिरला ग्रुप के रहे। उन्होंने इंट्रोडक्शन टू सीमेंट मैनुफैक्चरिंग विषय पर अपना विशिष्ट व्याख्यान प्रस्तुत किया उन्होंने बतलाया कि किस प्रकार प्रत्येक स्तर पर क्वालिटी कंट्रोल करने की आवश्यकता पड़ती है, चाहे वह रामेटेरियल हो चाहे वो फ्यूल कि क्वालिटी हो चाहे टेंपरेचर रेंज हो चाहे तुरंत कूलिंग करने की बात हो, यदि अच्छी क्वालिटी का सीमेंट बनाना हो तो कैसे–कैसे इन सब बातों की मानिटरिंग करनी पड़ती है। कितने प्रकार की सीमेंट बनती है उसका कहां पर उपयोग होता है और बाजार में साधारण उपयोग की जो सीमेंट उपलब्ध है उसमें किस रंग का सीमेंट अच्छा होगा, कंक्रीट में सीमेंट का क्या और कितना उपयोग है यह भी बतलाया। उनका व्याख्यान अत्यन्त सरल, रुचिकर, सबको समझ आने लायक भाषा में था। नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में जिस प्रकार के ज्ञान की आवश्यकता आज के युवाओं को होनी चाहिए उस दिशा में उक्त व्याख्यान बहुत ही उपयोगी रहा।

कार्यक्रम के आरम्भ में मॉ सरस्वती की वंदना आनलाइन विडियो द्वारा प्रस्तुत कर मॉ सरस्वती का आशीर्वाद लिया गया एवं स्वागत अभीभाषण रसायन विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. शशिप्रभा सिंह ने किया। मुख्य वक्ता श्री मनीष कुच्या जी को एवं अन्य सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. वीणा गोपाल मिश्रा जी ने किया। कार्यक्रम का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने किया। इस व्याख्यान में प्रतिभागी के रूप में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सत्यपाल सिंह, डॉ. विवेक शाही, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. धर्मचन्द्र विश्वकर्मा एवं सभी शिक्षक एवं विज्ञान संकाय के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। तकनीकी सहयोग डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, डॉ अनुराधा सिंह व डॉ. नीतिश शुक्ला ने किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

डॉ.(वीणा गोपाल मिश्रा)
प्राचार्य